

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (1)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 73]

नद्रै विरुली, बुधवार, मार्च 9, 1977/फाल्गुन 18, 1898

No. 73]

NEW DELHI, WEDNESDAY, MARCH 9, 1977/PHALGUNA 18, 1898

इस भाग में भिन्न पष्ट संख्या ही जाती हैं जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में राजा था सबी।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

(Revenue Wing)

NOTIFICATIONS

CUSTOMS

New Delhi, the 9th March 1977

GSR 107(E) --In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking No 395 Customs, dated the 2nd August, 1976, namely --

In the said notification for the words letters, figures and brackets "parts of internal combustion piston engines falling under Heading No. 84 06 of the First Schedule to the Customs Tariff Act 1975 (51 of 1975) and proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to be required for assembly or manufacture of stationary or industrial internal combustion piston engines, internal combustion piston engines

for industrial and agricultural tractors and marine engines', the following shall be substituted, namely — $\,$

"parts required for assembly or manufacture of stationary or industrial internal combustion piston engines, internal combustion piston engines for industrial and agricultural tractors and marine engines, being engines falling under Heading No 84 06 of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975) and proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to be so required for such assembly or manufacture".

[No. 29/F. No. 355/49/77 Cus. 1]

राजस्य और बैंकिंग विभाग

(रागस्य पक्ष)

ग्रधिसूचनाए

सीमा शुरुक

नई दिल्ली, 9 मार्च, 1977

सा० का० नि० 107(अ).—केन्द्रीय सरकार, सीमाणुल्क श्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1)दवारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, श्रपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में श्रावण्यक है, भारत सरकार के राजस्व और बैंकिंग विभाग की श्रिक्ष सूचना सं० 395 सीमाणुल्क सारीख 2 श्रगस्त, 1976 में निम्नलिखित सशोधन करती है, श्रर्थास:—

उक्त श्रिधिसूचना में "सीमा शुल्क टैरिफ श्रिधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम श्रनुसूची के शोर्ष स० 84.06 के अन्तर्गत सिम्मिलत श्रन्तर्देहन पिस्टन इन्जनों के भागों को, श्रौर जिनकी बाबत सीमाशुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रदरूप में यह साबित हो जाता है कि वे श्रौद्योगिक श्रौर कृषिक ट्रैक्टरों तथा समुद्री इंजनों के लिए श्रग्रगामी या श्रौद्योगिक श्रन्तर्देहन पिस्टन इजनों, श्रन्तर्देहन पिस्टन इन्जनों की श्रमेस्वली या विनिर्माण के लिए श्रपेक्षित हैं "शब्दों, श्रकों श्रौर कोष्ठकों के स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा, श्रर्थात —

"सीमाशुरूक टैरिफ अधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम अनुसूची के शीर्ष मं० 84 06 के अधीन आने वाले श्रीद्योगिक और कृषिक ट्रैक्टरों तथा समुद्री इन्जनों के लिए अग्रगामी या श्रीद्योगिक अन्तर्दहन पिस्टन इन्जनों की असेम्बली (समुचय) या उनके विनिर्माण के लिए अपेक्षित पुर्जी को, जिनकी बाबस सीमागुल्क सहायक कल्क्टर के समाधानप्रदक्ष में यह साबित हो जाता है कि व उक्त असेम्बली (समुचय) या विनिर्माण के लिए अपेक्षित है"।

[सं० 29 फा० सं० 355/49 77-सी०मु० I]

G.S.R. 108(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 25 of the Customs Act, 1962 (52 of 1962), the Central Government, being satisfied that it is, necessary in the public interest so to do, hereby makes the following amendments in the notification of the Government of India in the Department of Revenue and Banking (Revenue Wing) No 350 Customs, dated the 2nd August, 1976, namely —

In the said notification—

(1) for the words letters, figures and brackets "parts of any article falling under the Heading No of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), specified in the Schedule hereto annexed, and proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to be

required for the purpose of the initial setting up of that article or for its assembly or manufacture, when imported into India,", the following shall be substituted, namely—

- "parts required for the purpose of the initial setting up, or for the assembly or manufacture, of any article falling under the Heading No of the First Schedule to the Customs Tariff Act, 1975 (51 of 1975), specified in the Schedule hereto annexed, and proved to the satisfaction of the Assistant Collector of Customs to be so required for such setting up, assembly or manufacture,";
- (ii) in the Schedule, for the figures "84 01/02", the figures and brackets "82.05(2), 84.01/02" shall be substituted.

[No. 30/F. No. 355/49/77-Cus. I]

M. JAYARAMAN, Under Secy.

सा० का० नि० 108(घ).—केन्द्रीय सरकार सीमा-मुल्क घ्रधिनियम, 1962 (1962 का 52) की धारा 25 की उपधारा (1) द्वारा प्रदक्त शिक्तयों का प्रयोग करते हुए, श्रपना यह समाधान हो जाने पर कि ऐसा करना लोक हित में भावश्यक है, भारत सरकार के राजस्य भौर बैंकिंग विभाग (राजस्य पक्ष) की श्रधिसूचना सं० 350-सीमा मुल्क तारीख 2 भगस्त, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, भर्यात् :—

(i) उक्त प्रधिसूचना मे "सीमाणुल्क टैरिफ प्रधिनियस, 1975 (1975 का 51) की प्रथम प्रनुसूची के गीर्ष संख्या के प्रन्तर्गत सिम्मिलत, इस से उपाबद्ध प्रनुसूची मे विनिर्दिष्ट ग्रीर सीमा-गुल्क सहायक कलक्टर के समाधानप्रदरूप में यह साबित की गई कि उस वस्तु के प्रारम्भिक स्थापन के प्रयोजन के लिए या उसके समुचय या विनिर्माण के लिए ग्रपेक्षित है, किसी वस्तु के पुजों को, जब उसका भारत में ग्रायात किया जाय" गब्दो, ग्रंकों ग्रीर कोष्टकों के स्थान पर निम्नलिखत रखा जाएगा ।

प्रधात् :---

- "सीमा-शुल्क टैरिफ श्रधिनियम, 1975 (1975 का 51) की प्रथम श्रनुसूची के शीर्ष संख्या जो इस से उपायद्व भनुसूची में विनिर्दिष्ट है के श्रधीन भाने वाली किसी वस्तु के प्रारम्भिक स्थापन या उसके समुख्य या विनिर्माण के प्रयोजन के लिए श्रपेक्षित पुर्जी को, जिनकी बाबत सीमाशुल्क सहायक कलेक्टर के समाधानप्रद-रूप में यह साबित कर दिया गया है कि वे ऐसे स्थापन, समुख्य या विनिर्माण के लिए श्रपेक्षित हैं." श्रीर
- (ii) उक्त अधिसूचना से उपाबद्ध अनुसूची मे "शीर्ष सं०" शब्दों के पश्चात् "82.05
 (2)" श्रंक श्रीर कोप्टक श्रन्त:स्थापित किए जाएगे।

[सं॰ 30/फा॰ सं॰ 355'49/77—सी॰शु॰ ${
m I}]$

एम० जयरामन, ग्रवर सन्विव।